खाना क्या ? पीना क्या ?

१	२६	५१	७६	१०१	१२६	१५१	१७६	२०१	२२६
२	२७	५२	७७	१०२	१२७	१५२	१७७	२०२	२२७
३	२८	५३	७८	१०३	१२८	१५३	१७८	२०३	२२८
४	२९	५४	७९	१०४	१२९	१५४	१७९	२०४	२२९
५	३०	५५	८०	१०५	१३०	१५५	१८०	२०५	२३०
६	३१	५६	८१	१०६	१३१	१५६	१८१	२०६	२३१
७	३२	५७	८२	१०७	१३२	१५७	१८२	२०७	२३२
८	३३	५८	८३	१०८	१३३	१५८	१८३	२०८	२३३
९	३४	५९	८४	१०९	१३४	१५९	१८४	२०९	२३४
१०	३५	६०	८५	११०	१३५	१६०	१८५	२१०	२३५
११	३६	६१	८६	१११	१३६	१६१	१८६	२११	२३६
१२	३७	६२	८७	११२	१३७	१६२	१८७	२१२	२३७
१३	३८	६३	८८	११३	१३८	१६३	१८८	२१३	२३८
१४	३९	६४	८९	११४	१३९	१६४	१८९	२१४	२३९
१५	४०	६५	९०	११५	१४०	१६५	१९०	२१५	२४०
१६	४१	६६	९१	११६	१४१	१६६	१९१	२१६	२४१
१७	४२	६७	९२	११७	१४२	१६७	१९२	२१७	२४२
१८	४३	६८	९३	११८	१४३	१६८	१९३	२१८	२४३
१९	४४	६९	९४	११९	१४४	१६९	१९४	२१९	२४४
२०	४५	७०	९५	१२०	१४५	१७०	१९५	२२०	२४५
२१	४६	७१	९६	१२१	१४६	१७१	१९६	२२१	२४६
२२	४७	७२	९७	१२२	१४७	१७२	१९७	२२२	२४७
२३	४८	७३	९८	१२३	१४८	१७३	१९८	२२३	२४८
२४	४९	७४	९९	१२४	१४९	१७४	१९९	२२४	२४९
२५	५०	७५	१००	१२५	१५०	१७५	२००	२२५	२५०

तप के बिना जीना क्या ?

२५१	२७६	३०१	३२६	३५१	३७६	४०१	४२६	४५१	४७६
२५२	२७७	३०२	३२७	३५२	३७७	४०२	४२७	४५२	४७७
२५३	२७८	३०३	३२८	३५३	३७८	४०३	४२८	४५३	४७८
२५४	२७९	३०४	३२९	३५४	३७९	४०४	४२९	४५४	४७९
२५५	२८०	३०५	३३०	३५५	३८०	४०५	४३०	४५५	४८०
२५६	२८१	३०६	३३१	३५६	३८१	४०६	४३१	४५६	४८१
२५७	२८२	३०७	३३२	३५७	३८२	४०७	४३२	४५७	४८२
२५८	२८३	३०८	३३३	३५८	३८३	४०८	४३३	४५८	४८३
२५९	२८४	३०९	३३४	३५९	३८४	४०९	४३४	४५९	४८४
२६०	२८५	३१०	३३५	३६०	३८५	४१०	४३५	४६०	४८५
२६१	२८६	३११	३३६	३६१	३८६	४११	४३६	४६१	४८६
२६२	२८७	३१२	३३७	३६२	३८७	४१२	४३७	४६२	४८७
२६३	२८८	३१३	३३८	३६३	३८८	४१३	४३८	४६३	४८८
२६४	२८९	३१४	३३९	३६४	३८९	४१४	४३९	४६४	४८९
२६५	२९०	३१५	३४०	३६५	३९०	४१५	४४०	४६५	४९०
२६६	२९१	३१६	३४१	३६६	३९१	४१६	४४१	४६६	४९१
२६७	२९२	३१७	३४२	३६७	३९२	४१७	४४२	४६७	४९२
२६८	२९३	३१८	३४३	३६८	३९३	४१८	४४३	४६८	४९३
२६९	२९४	३१९	३४४	३६९	३९४	४१९	४४४	४६९	४९४
२७०	२९५	३२०	३४५	३७०	३९५	४२०	४४५	४७०	४९५
२७१	२९६	३२१	३४६	३७१	३९६	४२१	४४६	४७१	४९६
२७२	२९७	३२२	३४७	३७२	३९७	४२२	४४७	४७२	४९७
२७३	२९८	३२३	३४८	३७३	३९८	४२३	४४८	४७३	४९८
२७४	२९९	३२४	३४९	३७४	३९९	४२४	४४९	४७४	४९९
२७५	३००	३२५	३५०	३७५	४००	४२५	४५०	४७५	५००

विश्वशांति, जिनशासन में मैत्री, गिरनार महातीर्थ
का उत्कर्ष एवं स्वात्मा के शुद्धि के निमित्त से

महामंगलकारी ५०० आयंबिल की विशिष्ट आराधना

नं.

नाम : .....

..... उम्र : .....

पत्ता : .....

.....

फोन नं. : .....

मोबाइल नं. : .....

आयंबिल प्रारंभ : वर्ष..... वि.सं. २०.....

मास : ..... मिति : .....

५०० आयंबिल की विविध योजना

१) अखंड ५०० आयंबिल ☐

२) एकांतरा ५०० आयंबिल ☐

३) पांच साल में ५०० आयंबिल ☐

४) आठ साल में ५०० आयंबिल ☐

५) दस साल में ५०० आयंबिल ☐

योजना चुनने के लिए बॉक्स में ✓ का निशान करें।

आराधक के हस्ताक्षर

यह भाग यहाँ से काटकर
प्रकाशक के एड्रेस पर भेजें।

॥ गिरनारमंडन श्री नेमिनाथाय नमः ॥
॥ प.पू.आ. दान-प्रेम-हिमांशु-भुवनभानु-जयघोष-राजेन्द्र-पं. चन्द्रशेखर-धर्मरक्षित सू. गुरुभ्यो नमः ॥

विश्वशांति, जिनशासन में मैत्री, गिरनार महातीर्थ का उत्कर्ष एवं स्वात्मा की शुद्धि के निमित्त से

महामंगलकारी ५०० आयंबिल की विशिष्ट आराधना

:: दिव्यकृपा ::

तपस्वी सम्राट प.पू.आ. **हिमांशुसूरीश्वरजी महाराज साहेब**
न्यायविशारद प.पू.आ. **भुवनभानुसूरीश्वरजी महाराज साहेब**
सिद्धांत दिवाकर प.पू.आ. **जयघोषसूरीश्वरजी महाराज साहेब**
शासनप्रभावक गुरुदेवश्री प.पू.पं. **चन्द्रशेखरविजयजी महाराज साहेब**
गिरनार तीर्थोपदेशक प.पू.आ. **धर्मरक्षितसूरिजी महाराज साहेब**

:: आशिषदाता ::

प्रशांतमूर्ति, सुविशालगच्छाधिपतिश्री
प.पू. आचार्यदेवेश **राजेन्द्रसूरीश्वरजी महाराज साहेब**
प.पू.आ. **हंसकीर्तिसूरीश्वरजी महाराज साहेब**

:: पावनीय प्रेरणादाता ::

युगप्रधान आचार्यसम प.पू.पं. **चन्द्रशेखरविजयजी** के शिष्य-प्रशिष्य
प.पू.आ. **धर्मरक्षितसूरीश्वरजी महाराज साहेब** के शिष्य
प.पू.आ. **हेमवल्लभसूरीश्वरजी महाराज साहेब**
प.पू. मुनिराज **दिव्यपद्मविजयजी महाराज साहेब**

:: प्रकाशक ::

सहसावन कल्याणकभूमि तीर्थोद्धार समिति
C/o. गौरवशाली गिरनारदर्शन धर्मशाला
शिवनिकेतन के पास, रूपायतन रोड, जूनागढ़ - 362001.
फोन : 0285-2657099/199, M. : 9409685999

विश्वशांति, जिनशासन में मैत्री, गिरनार महातीर्थ का उत्कर्ष एवं स्वात्मा की शुद्धि के निमित्त से

महामंगलकारी ५०० आयंबिल की विशिष्ट आराधना की समझ

आप ५०० आयंबिल की इस योजना में निम्न-लिखित ४ योजना में से किसी भी एक योजना में शामिल हो सकते हैं। विशस्थानक तप, वर्धमान तप, नवपदजी, आलोचना वगैरह कोई भी आयंबिल के पच्चक्खाण यह ५०० आयंबिल में गीने जाएंगे।

१) अखंड ५०० आयंबिल
२) एकांतरा ५०० आयंबिल
३) पांच साल में ५०० आयंबिल (महिने में एक पंचमी + दो अष्टमी + दो चतुर्दशी + शाश्वती ओली + पर्युषण पर्व में आयंबिल करके १ साल में १०० आयंबिल कर सकते हैं।
४) आठ साल में ५०० आयंबिल महिने में पाँच आयंबिल करने से साल में ६० आयंबिल करके भी आठ साल में ५०० आयंबिल कर सकते हैं।
आराधकों को रोज १२ खमासमणा, १२ साथिया, १२ लोग्गस्स का काउसग्ग एवं **''नमो अरिहंताणं''** पदकी २० माला यथाशक्ति गिननी।

नं.

नाम : .....

उम्र : .....

पत्ता : .....

.....

फोन नं. : .....

मोबाइल नं. : .....

आयंबिल प्रारंभ : वर्ष..... वि.सं. २०.....

मास : ..... मिति : .....

क्या आप आहारसंज्ञा के उपर विजय प्राप्त करना चाहते हो ?

क्या आप अणाहारी पद की प्राप्ति चाहते हो ?

तो...

आहारसंज्ञा के साथ युद्ध का पहला कदम
५०० आयंबिल तप से प्रारंभ कीजिए।

क्योंकि...

- एक आयंबिल से १००० क्रोड साल के नरक के दुःख की वेदना का नाश होता है।
- आदिनाथ भगवान की पुत्री सुंदरी ने ६०००० साल तक लगातार आयंबिल तप की आराधना की थी।
- जंबूस्वामी के जीव ने पूर्व के शिवकुमार के भव में आजीवन छट्ठ के पारणे में आयंबिल तप की आराधना की थी।
- वर्धमान तप आयंबिल की आराधना से श्री चंद्रकेवली ८०० चोवीसी तक अमर रहेंगे। प्रभुवीर के १४००० साधु में उत्कृष्ट परिणाम वाले धन्ना अणगार ने आजीवन छट्ठ के पारणे में आयंबिल तप की आराधना की थी।

:: पावनीय प्रेरणादाता ::
युगप्रधान आचार्यसम प.पू.पं. **चन्द्रशेखरविजयजी** के शिष्य-प्रशिष्य
प.पू.आ. **धर्मरक्षितसूरीश्वरजी महाराज साहेब** के शिष्य
प.पू.आ. **हेमवल्लभसूरीश्वरजी महाराज साहेब**
प.पू. मुनिराज **दिव्यपद्मविजयजी महाराज साहेब**

:: प्रकाशक ::
सहसावन कल्याणकभूमि तीर्थोद्धार समिति
C/o. गौरवशाली गिरनारदर्शन धर्मशाला
शिवनिकेतन के पास, रूपायतन रोड, जूनागढ़ - 362001.
फोन : 0285-2657099/199, M. : 9409685999